ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -18 | अंक - 5 | जून- I, 2017 | पाक्षिक | माउण्ट आबू | रु. 8.00

'सिंधी समाज' द्वारा सम्मानित 'दादी'

लोगों की सेवा में जीवन लगाना ही सबसे बड़ा सम्मान : दादी

ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका 102वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी का आबू रोड के सिंधी समाज ने किया सम्मान ।

समारोह के दौरान दादी जानकी को प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित करते हुए पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष रहंदामल जी, सचिव मोहन सी झामनानी तथा अन्य वरिष्ठ पदाधिकारीगण ।

शांतिवन। संस्था के शांतिवन में आयोजित समारोह में पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष रहंदामल, सचिव मोहन सी झामनानी समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने दादी को प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर दादी जानकी ने कहा कि यदि मनुष्य का पूरा जीवन लोगों के कल्याण में लग जाये तो इससे बड़ा सम्मान कुछ नहीं हो सकता है। हम सभी को यही प्रयास करना चाहिए कि हमारा जीवन दूसरों की भलाई में लगे। इससे बड़ा पुण्य और सुख कुछ नहीं हो सकता है, क्योंकि जो दूसरों की मदद करता है उसकी मदद परमात्मा स्वयं करता है। इसलिए ही आज ब्रह्माकुमारी संस्था पूरे विश्व में फैल चुकी है। उन्होंने कहा कि पूज्य सिंधी पंचायत ने हमें सम्मानित किया, यह परमात्मा का सम्मान है। आम लोगों का सम्मान है। इससे निश्चित तौर पर समाज में एक अच्छा संदेश जायेगा। इसके लिए मैं सिंधी पंचायत की आभारी हूँ। कार्यक्रम में पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष रामचन्द्र रहंदामल ने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि आबू रोड में एक अंतर्राष्ट्रीय संस्थान है, जिसकी मुखिया राजयोगिनी दादी जानकी जी हैं, जो सिंधी समाज की शान हैं। इनके सानिध्य में पूरे विश्व के लोगों में मूल्यों का संचार हो रहा है। संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि हम सब एक परमात्मा के बच्चे आपस में भाई बहनें हैं। इसलिए हमें मिलकर एक अच्छा समाज बनाना है। इस अवसर पर शांतिवन के मुख्य अभियंता ब्र.कु. भरत ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा उन्हें हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में ब्र.कु. चन्दा, ब्र.कु. भानू, ब्र.कु. अमरदीप समेत कई लोग उपस्थित थे।

युनाइटेड नेशन के साथ-साथ युनाइटेड नेचर ज़रुरी

स्वयं के लाभ से पहले दूसरों के लाभ की सोचना ही दुआएं कमाना है - शिवानी

कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. आशा तथा ब्र.कु. शिवानी। सभा में ध्यानपूर्वक सुनते हुए विभिन्न कम्पनीज़ के गणमान्य लोग।

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में बहुराष्ट्रीय कम्पनीज़ के निदेशक, चेयरमैन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के लिए 'इग्नाइटिंग इनर रेसिलेन्स' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न कम्पनीज़ के 150 से भी अधिक लोगों ने शिरकत की।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ओ.आर.सी. निदेशिका ब्र.कु. आशा ने कहा कि युनाइटेड नेशन के साथ-साथ जब युनाइटेड नेचर होगी, तभी विश्व में सद्भाव एवं शांति का वातावरण बनेगा। उन्होंने कहा कि योग ही ऐसा माध्यम है, जिससे जीवन में समरसता आ सकती है। योग से मन सकारात्मक एवं शक्तिशाली बनता है। योग कोई शारीरिक आसन व प्राणायाम नहीं है, बल्कि मन के द्वारा परमसत्ता परमात्मा से संवाद स्थापित करना ही योग है।

इस अवसर पर विशेष रूप से मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि हमारे विचार जितने शक्तिशाली होंगे, सफलता उतनी ही सहज प्राप्त होगी। विचार एक बीज की तरह है, जैसा बीज होगा, वृक्ष भी वैसा ही होगा। उन्होंने कहा कि सफलता केवल किसी व्यक्तिगत उपलब्धि का नाम नहीं है, बल्कि सबको साथ लेकर चलना ही वास्तव में सच्ची सफलता है। उन्होंने कहा कि हमारे कारण से अगर कोई दु:खी होता है तो हम भी खुश नहीं रह सकते। जब हम दूसरों पर गुस्सा करते हैं तो हम उन्हें नकारात्मक ऊर्जा देते हैं, जो फिर हमारे पास ही लौटकर आती है। धन कमाने के साथ-साथ दुआएं कमाना बहुत ज़रूरी है। दुआएं ही जीवन में खुशियों का आधार है। स्वयं के लाभ से पहले दूसरे के लाभ के लिए सोचना ही दुआएं कमाना है।

ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त सचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि अगर हम अपने कार्यक्षेत्र पर सभी से प्यार से काम लेते हैं तो उसका परिणाम अच्छा निकलता है। उन्होंने कहा कि हम लोगों को बाहर से कंट्रोल करने के बजाए उनके मनों को कंट्रोल करें। जब वो मन से सकारात्मक एवं प्रसन्न होंगे, तभी उनमें कार्य के प्रति भी उमंग-उत्साह पैदा होगा। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. विद्यात्री ने किया।